उद्योगपतियों ने कहा- पहले यूपी में केवल घोषणाएं होती थीं, आज अमल भी हो रहा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 'मेकओवर' से दिग्गज उद्योगपति भी प्रभावित हैं। उनका कहना है कि यूपी अपने आप में एक देश है। 25 करोड़ की आबादी इसकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसका बेहतर इस्तेमाल पहले नहीं हुआ। अब यूपी की कमान मजबूत हाथों में आई है, जिसका असर दिख रहा है। उनका कहना था कि पहले केवल घोषणाएं होती थीं, आज अमल भी हो रहा है। फिक्की के कार्यक्रम में अमर उजाला ने अलग अलग सेक्टरों के चार प्रमुख उद्योगपतियों से चर्चा में यूपी की ये छवि निखरकर सामने आई। कार्यक्रम में मशहूर एथलीट दीपा मलिक ने भी शिरकत की।

यूपी की ग्रोथ देख हैरत में हूं

-सुभ्रकांत पांडा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, फिक्की

यूपी में 20 फीसदी की ग्रोथ हैरत करने वाली है। इसके प्रभाव पूरे देश पर पड़ेगा। 56 फीसदी युवा कामकाजी आबादी इसकी ताकत है। देश के कुल 40 फीसदी स्मार्टफोन यूपी में बन रहे हैं। नौ बड़े एयरपोर्ट हैं। एक्सप्रेसवे में देश में नंबर वन है। 15 साल पहले से इस प्रदेश की तुलना करता हूं तो चकित रह जाता हूं। पहले केवल घोषणाएं होती थीं, आज उन पर अमल होता देख रहा हूं। यूपी में आज उद्योग सुरक्षित हैं इसीलिए आगे बढ़ रहे हैं। वैश्विक निवेश सम्मेलन की सफलता इसका प्रमाण है।

इंडस्ट्रियल पार्क की तर्ज पर होटल के लिए जमीन दें

-ज्योत्सना सूरी, चेयरपर्सन व एमडी, भारत होटल्स (द ललित ग्रुप)

यूपी को राज्य नहीं बल्कि 25 करोड़ लोगों का देश कहिए। पहले यूपी की नकारात्मक छवि थी। लोग यहां आने से झिझकते थे। आज तस्वीर बदल गई है, जो राजनीतिक स्थिरता के कारण आई है। यूपी ने अपने पर्यटन व सौंदर्य को निखारा नहीं। आगरा से आगे बहुत कुछ है, जिसे आज सामने लाया जा रहा है। मैं चित्रकूट में होटल ला रही हूं। अयोध्या में होटल लाने की तमन्ना है लेकिन जमीन में दिक्कत आ रही है। बाजार भाव से जमीन खरीद कर होटल बनाना घाटे का सौदा है। इंडस्ट्रियल पार्क की तर्ज पर होटल के लिए एरिया निर्धारित किए जाएं तो ये सेक्टर चमक जाएगा। जल्द यूपी में टूरिज्म एक्सपो करेंगे।

आज किसी उद्यमी के पास फिरौती का फोन नहीं आता

लखनऊ। फिक्की के कार्यक्रम में योगी ने कहा कि यूपी में वर्ष 1985-86 से लेकर बीच के कालखंड को घोर अंधकार का युग कह सकते हैं। इस दौर ने यूपी को बीमारू राज्य के रूप में बदल दिया था। न केवल प्रदेश बल्कि यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। नई इंडस्ट्री तो छोड़िए पुरानी इंडस्ट्री भी जाने की तैयारी में थीं। माफिया का कब्जा था। आज न तो किसी उद्यमी के पास फिरौती के लिए किसी में फोन करने का दम है और न ही कोई किसी फैक्टरी को बंद करने की धमकी दे सकता है। यही जीरो टॉलरेंस नीति है। उन्होंने उद्योगपतियों से आह्वान किया कि वह यूपी की तरक्की में अपना हाथ बटाएं और युवाओं को रोजगार दें। सीएम इंटर्नशिप योजना की जानकारी देते हुए कहा कि पैसा सरकार देगी, प्रशिक्षण आप दें, जिसका फायदा आपको ही मिलेगा। सीएम ने कहा कि वर्ष 2016 में बुंदेलखंड में भारत सरकार को टैंकर से पानी भेजना पड़ता था। आज हर घर में नल से पानी पहुंच रहा है। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह, फिक्की के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभ्रकांत पांडा, महासचिव शैलेश पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनीस शाह, फिक्की यूपी चैप्टर के अध्यक्ष मनोज गुप्ता आदि मौजूद थे। ब्यूरो

सीएम ने किया आह्वान- यूपी की तरक्की में उद्योगपति हाथ बटाएं, युवाओं को दें रोजगार

- पिछली सरकारों में नौकरशाही के बैरियर ने प्रदेश के विकास को बाधित किया
- सरकार बैंक का जमा-ऋण अनुपात 60 फीसदी तक ले जाएगी
- प्रदेश ने इज ऑफ डूइंग बिजनेस में दूसरा स्थान हासिल किया
- एंटी भू माफिया टास्क फोर्स गठित कर 64,000 हेक्टेयर जमीन छुड़वा कर इंडस्ट्री को दी
- एमएसएमई और ओडीओपी ने तैयार किया देश में नया बाजार
- प्रदेश का निर्यात करीब दो लाख करोड़ रुपये पहुंच गया

वीडियो केवाईसी ने बदल दी बैंकिंग

-आदिल शेट्टी, को फाउंडर व सीईओ, बैंक बाजार.कॉम

कोरोना काल में बैंक खाते खुलवाने के लिए आरबीआई ने पहली बार वीडियो केवाईसी (नो योर कस्टमर) की अनुमति दी। पहले खाता खुलवाने के लिए बैंक जाना पड़ता था। बैंक ज्यादा से ज्यादा 75 खाते खोल पाते थे। आज इस तकनीक से कोई बैंक देश की किसी शाखा में एक दिन में हजार खाते तक खोल सकता है। साइबर फ्राड बढ़ रहे हैं लेकिन यकीन दिलाता हूं कि बिना ओटीपी, पिन और पासवर्ड के कोई आपके खाते में सेंध नहीं लगा सकता।

यूपी में बनेगा सबसे हल्का बुलेटप्रूफ मैटेरियल

-मनोज गुप्ता, एमडी, एमकेयू लिमिटेड

यूपी में डिफेंस कॉरिडोर में 200 करोड़ का निवेश किया गया है। दुनिया की सबसे हल्की और मजबूत बुलेट प्रूफ जैकेट का मैटेरियल अब यहीं कानपुर में बनेगा। इसका नाम पॉली एथीलीन है, जो अभी यूएस से आयात होता है। एयरबस के लिए केवल हारनेस के बाद डीआरडीओ ने मिसाइल और सेटेलाइट के लिए केवल हारनेस में रुचि दिखाई है। 4,200 किमी की ग्राम सड़क विकास योजना में हाईटेक विधि से काम हो रहा है। इसके तहत सड़क को इस्तेमाल की गई सामग्री को रीसाइकिल कर सड़क बनाई जाती है।